स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 अहमदाबाद ने स्वच्छता सूची में सर्वोच्च स्थान प्राप्त किया

यूपीएससी प्रासंगिकता

Prelims: स्वच्छ सर्वेक्षण के फीचर्स, 3R सिद्धांत, सर्कुलर इकोनॉमी, Waste-to-Wealth कॉन्सेप्ट्स, और पुरस्कार प्राप्त शहरों/गंगा टाउन पर सवाल आ सकते हैं।

Mains:

- GS Paper II: शहरी स्थानीय शासन, सार्वजनिक सेवा वितरण, नागरिक केंद्रित पहल।
- GS Paper III: सतत शहरीकरण, Waste-to-Wealth, और पर्यावरणीय चुनौतियाँ।

समाचार में क्यों?

• स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 के परिणाम जुलाई 2025 में घोषित किए गए, जिसमें अहमदाबाद को भारत का सबसे स्वच्छ बड़ा शहर घोषित किया गया। भारत की राष्ट्रपति, द्रौपदी मुर्मू ने पुरस्कार प्रदान किए और 3R दृष्टिकोण (कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनः चक्रण करना) और Waste-to-Wealth पहल जैसे नवाचारों की सराहना की।

स्वच्छ सर्वेक्षण का परिचय

(स्वच्छ भारत मिशन के तहत एक प्रमुख स्वच्छता रैंकिंग प्रणाली)

• लॉन्च: 2016 में, यह शहरी मामलों और आवास मंत्रालय (MoHUA) की पहल है।

• उद्देश्य: शहरी क्षेत्रों को स्वच्छता, स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन के आधार पर रैंक करना।

• लक्ष्य: शहरों के बीच स्वस्थ प्रतिस्पर्धा को बढ़ावा देना ताकि सार्वजनिक स्वच्छता में सुधार हो सके।

• नागरिक सहभागिता और नवाचार को बढ़ावा देना: नगरपालिका अपशिष्ट प्रणालियों में।

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 की मुख्य हाइलाइट्स

सबसे स्वच्छ बड़े शहर (10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहर)

(नई "स्वच्छ शहर" श्रेणी बड़े शहरों के लिए)

- 1st: अहमदाबाद
- 2nd: भोपाल
- 3rd: लखनऊ

इन शहरों ने 10 लाख से अधिक जनसंख्या वाले शहरों के लिए नई स्वच्छता श्रेणी में शीर्ष स्थान प्राप्त किया।

सुपर स्वच्छ लीग

(लंबे समय से स्वच्छता प्रदर्शन करने वाले शहरों को मान्यता)

- 23 शहरों को स्वच्छता के निरंतर प्रदर्शन के लिए सम्मानित किया गया।
- महत्वपूर्ण नाम:
    - इंदौर
    - सूरत
    - नवी मुंबई
    - विजयवाड़ा

मध्य-आकार और छोटे शहरों की रैंकिंग:

(जनसंख्या आधारित निष्पक्ष प्रतिस्पर्धा)

- 3-10 लाख जनसंख्या:
    - मिरा-भायंदर (महाराष्ट्र)
    - बिलासपुर (छत्तीसगढ़)
    - जमशेदपुर (झारखंड)
- 50,000-3 लाख जनसंख्या:
    - नई दिल्ली भी शीर्ष शहरों में शामिल।

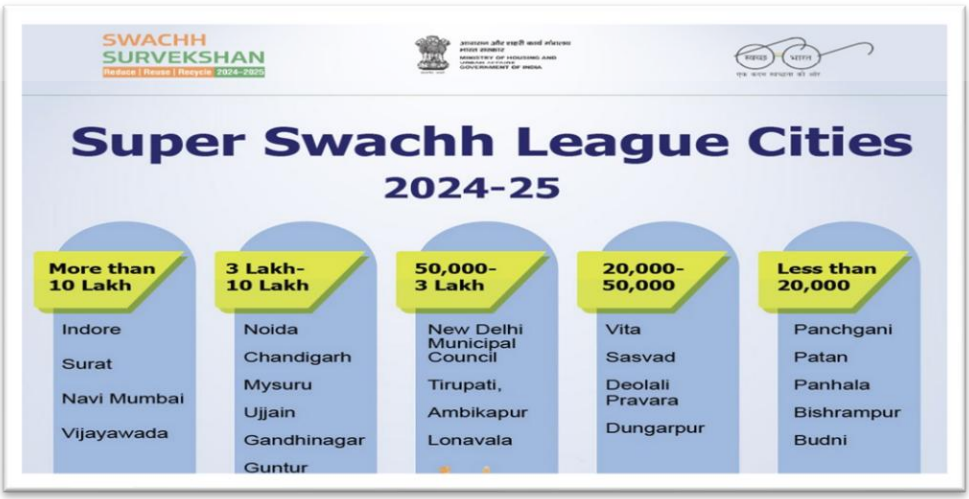

Result Mitra

विशेष मान्यता:

• बेस्ट गंगा टाउन: प्रयागराज – गंगा नदी के किनारे स्वच्छता प्रदर्शन के लिए सम्मानित।

• बेस्ट कैंटोनमेंट बोर्ड: सिकंदराबाद कैंटोनमेंट – सैन्य सेटअप में उत्कृष्ट स्वच्छता के लिए।

बेस्ट सफाईमित्र सुरक्षा शहर:

(स्वच्छता कर्मियों की सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करना)

• विशाखापत्तनम, जबलपुर, और गोरखपुर को उनके स्वच्छता कार्यबल प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया।

महा कुम्भ अपशिष्ट प्रबंधन

• प्रयागराज नगर निगम और उत्तर प्रदेश सरकार को 2024 में महा कुम्भ के दौरान 66 करोड़ तीर्थयात्रियों के प्रबंधन के लिए सम्मानित किया गया।

अभिनव दृष्टिकोण की सराहना

3R सिद्धांत: कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनः चक्रण करना

(अपशिष्ट प्रबंधन में सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा देना)

• "Waste is Best" के नारे के साथ समर्थित

• भारत के राष्ट्रपति द्वारा इसे सतत शहरों के लिए आवश्यक बताया गया।

एक शहर, एक पुरस्कार नीति

(समान अवसर और व्यापक भागीदारी सुनिश्चित करना)

• एक ही शहर को बार-बार पुरस्कार मिलने से बचने के लिए लागू।

• इसके परिणामस्वरूप 34 शहरों को प्रोमिसिंग स्वच्छ शहर के रूप में नामित किया गया।

विशाल नागरिक भागीदारी

(शहरी स्वच्छता अभियानों में जनता को शामिल करना)

• 14 करोड़ से अधिक नागरिकों ने भाग लिया।

• भागीदारी के माध्यम से:

- आमने-सामने संवाद
- स्वच्छता ऐप
- MyGov पोर्टल
- सोशल मीडिया प्रचार

• 4,500 से अधिक शहरी केंद्रों में इस अभियान ने अपनी उपस्थिति दर्ज की, जिससे यह दुनिया का सबसे बड़ा स्वच्छता सर्वेक्षण बन गया।

Result Mitra

समस्याएँ और चुनौतीपूर्ण मुद्दे जो अभी भी मौजूद हैं

1. शहरी-ग्रामीण स्वच्छता अंतर: छोटे शहरों और ग्रामीण कस्बों में सतत स्वच्छता अभियानों के लिए बुनियादी ढांचा और धन की कमी है।
2. अवैज्ञानिक अपशिष्ट निपटान: लैंडफिल्स पर अत्यधिक निर्भरता बनी हुई है; कई क्षेत्रों में स्रोत पर अपशिष्ट पृथक्करण कमजोर है।
3. कर्मचारी सुरक्षा और मैन्युअल स्कैवेंजिग: सफाईमित्र पहलों के बावजूद, स्वच्छता कर्मी अभी भी खतरनाक स्थितियों का सामना कर रहे हैं और सुरक्षा उपकरणों की कमी है।
4. सर्वेक्षण से पहले की स्वच्छता: शहर केवल मूल्यांकन के दौरान ही प्रयासों को बढ़ाते हैं, साल भर की स्थिरता सुनिश्चित नहीं होती।
5. सार्वजनिक अनुपालन के मुद्दे: समुदाय की कम जागरूकता के कारण अपशिष्ट पृथक्करण कमजोर है और प्लास्टिक प्रदूषण बढ़ रहा है।
6. असंगत निगरानी तंत्र: कई शहरी स्थानीय निकाय (ULBs) डेटा टूल्स का प्रभावी ढंग से उपयोग नहीं करते हैं; वास्तविक समय ट्रैकिंग में अंतराल बना हुआ है।

आगे की राह

1. सफाईमित्र सुरक्षा मानकों को सभी शहरों में संस्थागत रूप से लागू करें।
2. अनिवार्य और लागू अपशिष्ट पृथक्करण के लिए नागरिक जुर्माना।
3. स्वच्छता स्कोर को वित्तीय प्रोत्साहनों से लिंक करें - AMRUT और स्मार्ट शहरों के तहत।
4. ULBs में वास्तविक समय निगरानी उपकरण तैनात करें ताकि पारदर्शिता सुनिश्चित हो।
5. स्कूल पाठ्यक्रम और सामुदायिक कार्यक्रमों में स्वच्छता साक्षरता को शामिल करें।

निष्कर्ष

स्वच्छ सर्वेक्षण 2024-25 न केवल शहरी भारत में बढ़ती स्वच्छता संस्कृति को दर्शाता है, बल्कि सिस्टम की खामियों को भी उजागर करता है। मिशन के अगले चरण में प्रथाओं को संस्थागत रूप से लागू करना, कर्मचारी गरिमा, और समुदाय की स्वामित्व पर ध्यान केंद्रित करना चाहिए। स्वच्छता को सरकारी एजेंडे से सामाजिक मूल्य में बदलना चाहिए, ताकि स्थायी बदलाव सुनिश्चित किया जा सके।

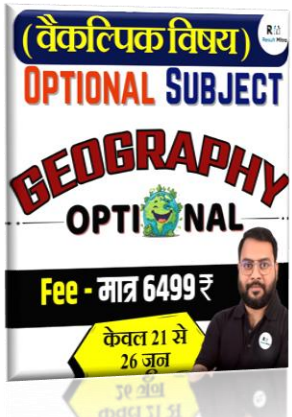

UPSC प्रीलिम्स पिछले प्रश्न

1. प्रश्न: "3R (कम करना, पुनः उपयोग करना, पुनः चक्रण करना)" सूत्र कभी-कभी निम्नलिखित संदर्भ में उल्लेखित किया जाता है: (2020)

(A) खाद्य प्रसंस्करण उद्योग

(B) खनिज संसाधन

(C) सर्कुलर इकोनॉमी

(D) ठोस अपशिष्ट प्रबंधन

उत्तर: (D)

2. प्रश्न: भारत के राष्ट्रीय जैव-ऊर्जा मिशन का एक प्रमुख उद्देश्य कौन सा है? (2021)

(A) ऊर्जा पौधों का विकास

(B) ऊर्जा के लिए बायोमास का उपयोग

(C) ऊर्जा संरक्षण को बढ़ावा देना

(D) अपशिष्ट से ऊर्जा प्रौद्योगिकियों को बढ़ावा देना

उत्तर: (D)

3. प्रश्न: निम्नलिखित कथनों पर विचार करें:

I. सर्कुलर इकोनॉमी ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन को कम करती है।

II. सर्कुलर इकोनॉमी कच्चे माल के रूप में उपयोग की जाने वाली वस्तुओं को कम करती है।

III. सर्कुलर इकोनॉमी उत्पादन प्रक्रिया में अपव्यय को कम करती है।

उपरोक्त कथनों में से कौन सा सही है?

[A] कथन II और कथन III दोनों सही हैं और दोनों कथन I को समझाते हैं।

[B] कथन II और कथन III दोनों सही हैं लेकिन इनमें से केवल एक कथन I को समझाता है।

[C] केवल एक कथन II और III में से सही है और वही कथन I को समझाता है।

[D] न तो कथन II और न ही कथन III सही हैं।

उत्तर: (A)

Mains Question:

4. प्रश्न: सर्कुलर इकोनॉमी क्या है? यह सतत विकास में कैसे मदद करती है?
(UPSC GS पेपर 3 – 2018)

Result Mitra